S-361

Total Pages : 3 Roll No. .....

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. जन्म कुण्डली के बारह भावों का परिचय दीजिए।

2. मंगल का द्वादश भावों में क्या फल है, विस्तार से लिखिए।

3. शुक्र की महादशा में मंगल और गुरु की अंतर्दशाओं का वर्णन कीजिए।

4. द्वादशेश का द्वादश भावों में फल का वर्णन कीजिए।

अथवा

शनि का द्वादश राशियों में क्या फल है, समीक्षा कीजिए।

5. ग्रह दृष्टि से क्या तात्पर्य है, सविस्तार निबन्ध लिखिए।

अथवा

ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तकों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. मंगल की महादशा में शनि, सूर्य, चन्द्रमा के फल को प्रतिपादित कीजिए।

2. सूर्य, चन्द्रमा एवं शनि के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. चन्द्रमा से बनने वाले योगों का वर्णन कीजिए।

4. गुरु का द्वादश भावों में क्या फल है, विवेचना कीजिए।

5. ग्रहों के कारकत्व का वर्णन कीजिए।

6. उदाहरण सहित गजकेसरी योग का वर्णन कीजिए।

7. वेशी योग के फल का वर्णन कीजिए।

8. फलादेश में पंचांग की भूमिका वर्णन कीजिए।